FIRST MODEL EXAMINATION - DEC. 2017

हिन्दी

STD. X 54

Marks. 80
Time. 3 Hrs

SECTION. A

I निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 240 शब्दों में एक प्रस्ताव लिखिए। [15]

1) आज का विद्यार्थी ही भावी भारत का भविष्य है। आदर्श विद्या के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए अपने विचारों को लिखिए

2) 'ओज्वी' बवंडर का प्रभव स्थान कहाँ था और उसका नाम किस देश ने दिया था? इस बवंडर से हुए नाश का वर्णन कीजिए।

3) विज्ञान वरदान है या अभिशाप? इस विषय पर अपना व्यक्त कीजिए।

4) संगति का मनुष्य जीवन पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। सत्संगति लाभों का वर्णन कीजिए।

5) "आपसी प्रेम ही सुखद जीवन का आधार है" क्या आप इस सहमत है? अपना विचार व्यक्त कीजिए।

6) "जैसी करनी वैसी भरनी" उक्ति पर एक कहानी लिखिए।

II निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर एक पत्र लिखि

1) आपको जीवन में कुछ बनने की अभिलाषा है, उसके विष अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

अथवा

2) अपने घर में टेलीफोन लगवाने के लिए मण्डलीय अधि को पत्र लिखिए।

निम्नलिखित अनुच्छेद पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

इस सृष्टि में जो प्राणिमात्र को अपना मित्र व सखा मानता है, उसके लिए भय का कहीं और कोई स्थान ही नहीं रह जाता। गांधी जी के जीवन की घटना है। चम्पारण की बात वहाँ गोरों के अत्याचारों से लोग बड़े त्रस्त थे। गांधी जी वहाँ गए। उनके जाने और कुछ लोकोपयोगी कार्य करने से वहाँ की जनता में बड़ी जागृति पैदा हुई। इससे गोरे बड़ी परेशानी में पड़े। एक दिन किसी ने गांधी जी से कहा - "बापू, का अमुक गोरा बड़ा दुष्ट है। वह आपको मार डालना चाहता उसने इस काम के लिए हत्यारे तैनात किए हैं।"

गांधी जी ने सारी की बात सुन ली। उसके बाद उन्होंने जो किया, उसे भुलाया नहीं जा सकता। एक दि रात को जब चारों ओर निस्तब्धता व्याप्त थी, गांधी जी अकेले उस गोरे के बंगले पर जा पहुँचे। उससे मिले और बोले - "मैंने सुना है कि आपने मुझे मार डालने के लिए हत्या नियुक्त किए हैं। उसकी क्या आवश्यकता थी? लीजिए, मैं बिना किसी से कुछ कहे अकेला यहाँ आ गया हूँ।"

गोरा स्तब्ध रहा गया, उसका सिर झुक ग ऐसी घटनाओं से दुनिया का इतिहास भरा पड़ा है। कोई भी देश, कोई भी धर्म ऐसा नहीं है जिसने मानवता के आदर्श की उत्कृष्टता को स्वीकार न किया हो। वस्तुतः सारे धर्मों का मूल एक है कि धूल भी हेय नहीं है, इंसान-इंसान के कोई अंतर नहीं है।

यह पृथ्वी, प्रेम, जिसका दूसरा नाम मानवता है, की आधारशिला पर टिकी है। आज शिला कुछ हिलती

दिखाई देती है, और यही कारण है कि दुनिया आज इतन संतप्त हो गयी है। हम इस बात को न भूलें कि इस शिला की मज़बूती पर ही संसार का उज्ज्वल भविष्य निर्भर कर है। आइए, उसे सुदृढ़ बनाने में पूरा-पूरा सहयोग दें।

प्रश्न

[10]

i) इस संसार में सबसे निडर व्यक्ति कौन होता है?

ii) किस घटना से सिद्ध होता है कि गांधी जी बहुत ही निडर थे?

iii) गांधी जी ने संपूर्ण संसार को कौन-सा पाठ सिखाया था

iv) जोरे क्यों परेशानी में पड़ी?

v) इस गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है?

II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

1) दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए (1)

a) आकर्षण b) कीर्ति

2) निम्न शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (2)

a) सरस्वती b) पत्थर

3) विशेषण बनाइए। [1]

a) कंटक b) नीति

4) मुहावरे से वाक्य बनाइए [2]

a) सिर पर उठाना b) घोड़े बेचकर सोना।

5) वाच्य बदलिए। (1)

a) गर्मियों में लोग खूब नहाते हैं।

6) निर्देशानुसार बदलिए। (1)

a) जॉर्ज खिड़की से बाहर देख रहा था। (भूतकाल)

SECTION. B

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

नया रास्ता

प्रश्न. V

"अंतिम पेपर देने के बाद जब मीनू परीक्षा-कक्षा से बाहर आ तो उसे लगा कि मानो वह आज पूर्ण रूप से स्वतंत्र है।"

1) मीनू आज अपने को पूर्ण रूप से स्वतंत्र क्यों मान रही है?
2) 'थकान भरे चेहरों पर प्रसन्नता की एक लहर थी।' इस वाक्य का क्या आशय है? समझाकर लिखिए। [2]
3) माया ने मीनू के समक्ष क्या प्रस्ताव रखा और क्यों? [3]
4) मीनू ने आज कहाँ जाने को सोचा था? वह माया के साथ पिक्चर देखने क्यों चली गयी? [3]

प्रश्न VI

"वे सज्जन तो वहाँ से चले गये, परन्तु माँ और पिताजी दोनों की ही मनःस्थिति व्याकुल हो गयी थी।"

1) ये 'सज्जन' कौन थे तथा वहाँ क्यों आए थे? [2]
2) माँ-बाप क्यों व्याकुल थे? [2]
3) उनसे क्या कहकर उनका विदा किया? [3]
4) क्या उनके आने का उद्देश्य पूरा हुआ कि नहीं? क्यों? [3]

प्रश्न VII

"आप समाज की इतनी चिन्ता करते हैं? क्या करता है समाज हमारे लिए?"

1) वक्ता और श्रोता कौन है (2)
2) मीनू की माँ शादी करना क्यों आवश्यक मानती है? [2]

3) शादी के विषय में समाज की क्या परम्परा है? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं?

4) माँ की सीख का मीनू पर क्या प्रभाव पड़ा? उसने क्या निर्णय लिया?

मकांकी सुमन

प्रश्न VIII

"कह नहीं सकता संजय, किसके पापों का यह परिणाम है, किसकी भूल भी जिसका भीषण विषफल हमें मिला।"

1) वक्ता कौन है? इस प्रकार क्यों कहते हैं? [2]

2) भीषण विषफल से क्या तात्पर्य है? [2]

3) 'पाप' शब्द से आप क्या समझते हैं? [3]

4) संदर्भ समझाइए। [3]

प्रश्न IX

"हाँ, खेल में भी तो कुछ वास्तविकता आनी चाहिए। मैं ने सोचा है दुर्ग के भीतर अपने ही कुछ सैनिक रख दिए जाएँगे, जो बन्दूकों से हम लोगों पर छूँछे वार करेंगे।"

1) कौन, किससे कब और कहाँ वार्तालाप कर रहे हैं? [2]

2) खेल में भी वास्तविकता लाने के लिए क्या उपाय सोचा? [2]

3) नकली दुर्ग का विध्वंस क्यों करने जाते हैं? [3]

4) 'छूँछे वार' से क्या तात्पर्य है? [3]

प्रश्न X

(बिगड़कर) "हमने तो जीवन भर की कमाई दे दी और उनकी नज़र में दहेज पूरा नहीं दिया गया।" लोभी कहीं

1) वक्ता के बिगडने का क्या कारण है ? [2]

2) लोभी किसे कहा गया है और क्यों ? [2]

3) जीवनभर की कमाई किसने किसके लिए दी ? [3]
क्यों ?

4) प्रस्तुत एकांकी के शीर्षक की सार्थकता के बारे में लिखिए। [3]